उत्तराखंड भास्कर

डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों के प्रभावी उपयोग को लेकर एम्स में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

देश-विदेश के प्रमुख प्रकाशकों ने ई-रिसोर्सेज, मेडिकल रिसर्च और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटाबेस की दी जानकारी

ऋषिकेश | उत्तराखंड भास्कर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में छात्रों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से शुक्रवार से दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय पुस्तकालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में डिजिटल नॉलेज, ई-रिसोर्सेज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्लेटफॉर्म की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों, फैकल्टी और शोधकर्ताओं को नवीनतम ज्ञान संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में सक्षम बना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीन रिसर्च एवं लाइब्रेरी कोर कमेटी के अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र हांडु ने कहा कि ऑनलाइन डेटाबेस, ई-जर्नल्स, रेफरेंस मैनेजमेंट टूल्स तथा एविडेंस बेस्ड मेडिकल लिटरेचर तक प्रभावी पहुंच गुणवत्तापूर्ण शोध और बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।

वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष एवं सूचना अधिकारी डॉ. संदीप कुमार सिंह ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को डिजिटल डेटाबेस और ई-संसाधनों के वैज्ञानिक एवं प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है, जिससे चिकित्सा अनुसंधान और अकादमिक गतिविधियों को नई गति मिले।

कार्यशाला के प्रथम दिन वेब ऑफ साइंस (जेसीआर), क्लीनिकल-की, क्लीनिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मैकग्रा-हिल, बीएमजे, थीमे मेडिकल प्लेटफॉर्म, एबस्को इन्फॉर्मेशन सर्विसेज सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन समूहों के विशेषज्ञों ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन करते हुए विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, प्रो. जया चतुर्वेदी, प्रो. आशी चुग, प्रो. शालिनी राव, प्रो. रश्मि मल्होत्रा, डॉ. उदित चौहान सहित विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्य, पीएचडी स्कॉलर्स, मेडिकल छात्र, डीएनएस, एएनएस और केंद्रीय पुस्तकालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

अमर उजाला

एम्स में डिजिटल लाइब्रेरी पर कार्यशाला शुरू

एम्स में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं निदेशक प्रो. मीनू सिंह। स्रोत : एम्स

ऋषिकेश। मेडिकल छात्रों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिए जाने के लिए एम्स में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू की गई है। केंद्रीय पुस्तकालय की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रतिष्ठित प्रकाशन समूहों के विशेषज्ञ आधुनिक ई-रिसोर्सेज और शोध उपकरणों की जानकारी दे रहे हैं। शुक्रवार को कार्यशाला का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटल नॉलेज, चिकित्सा अनुसंधान और ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण हैं। इससे छात्रों, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं की शोध क्षमता और शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी। डीन रिसर्च एवं लाइब्रेरी कोर कमेटी के अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र हांडू ने कहा कि ऑनलाइन डेटाबेस, ई-जर्नल्स, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा साहित्य तक बेहतर पहुंच शोध कार्यों को नई दिशा देगी। संवाद